पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

एक्ट्रेस संचिता उगले ने सुसाइड किया

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 92 ■ मंगलवार 16 जून 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

भारतनगर में इस साल आएगी बाढ़?

■ रेलवे ट्रैक के पास नाले में रुकावट को लेकर आक्रोश

उल्हासनगर. मानसून के मौसम के मद्देनजर, भारतनगर क्षेत्र के नागरिकों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें रेलवे ट्रैक के पास स्थित नाले के प्राकृतिक प्रवाह को मिट्टी से भरकर लगभग पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया है। आशंका है कि पानी निकालने के लिए केवल एक छोटी सी नहर बनाई गई है, जो भारी बारिश के दौरान अपर्याप्त साबित होगी और पूरा इलाका जलमग्न हो जाएगा।

भरतनगर से बहने वाली यह नाली आगे चलकर वालधुनी नदी में मिल जाती है। नाली का कुछ हिस्सा अंबरनाथ नगरपालिका की सीमा में आता है और यह बात सामने आई है कि वहां अभी तक आवश्यक सफाई नहीं हुई है। नाली में भारी मात्रा में कूड़ा और गाद जमा होने से दुर्गंध फैल रही है और इससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। जहां एक ओर मनपा प्रशासन वालधुनी नदी से गाद हटाने का काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर रेलवे ट्रैक के पास स्थित नाली का प्रवाह अवरुद्ध हो रहा है, जिससे स्थानीय नागरिक आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं।

जन प्रतिनिधियों द्वारा निरीक्षण

अगर मानसून शुरू होने से पहले नाले की रुकावट दूर नहीं की गई और पानी का बहाव बहाल नहीं किया गया, तो भरतनगर इलाके के सैकड़ों घर पानी में डूब सकते हैं। इसी को देखते हुए पार्षद अंजली साल्वे ने मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार और मनपा अधिकारियों के साथ मौके का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण में पता चला कि नाला अवरुद्ध है और सफाई कार्य में गंभीर खामियां हैं।

स्मार्ट मीटर पर छिड़ा बवाल

बिजली उपभोक्ताओं में रोष

महावितरण का ग्राहकों को सीधे WhatsApp पर 48 घंटे का अल्टीमेटम

उल्हासनगर . महावितरण के ग्राहकों के मोबाइल नंबर पर WhatsApp के ज़रिए भेजे गए एक मैसेज से स्मार्ट मीटर को लेकर चर्चा फिर से शुरू हो गई है। इस मैसेज में पहले से बताया गया है कि जिनके घरों में अभी तक स्मार्ट मीटर नहीं लगे हैं, उनके मौजूदा मीटर 48 घंटे बाद स्मार्ट मीटर से बदल दिए जाएंगे। महावितरण ने यह भी साफ़ किया है कि मीटर बदलने का प्रोसेस पूरी तरह से फ्री है। इस बीच, कई लोगों के इस मीटर का विरोध करने के बावजूद, इस मैसेज से राज्य में फिर से विवाद छिड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

उल्हासनगर बिजली विभाग पर मनसे का प्रदर्शन

- स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव लोगों पर
- महावितरण का मनमाना कारोबार

उल्हासनगर. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने सोमवार को उल्हासनगर-3 में साईंबाबा मंदिर के पास महावितरण ऑफिस में बढ़ते बिजली बिल, अलग-अलग एक्स्ट्रा चार्ज और स्मार्ट मीटर लगाने के प्रोसेस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर MNS के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने महावितरण के खिलाफ नारे लगाए और ग्राहकों की अलग-अलग समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। इस मौके पर बोलते हुए, MNS नेताओं ने आरोप लगाया कि महावितरण कंज्यूमर्स पर स्मार्ट मीटर लगाने का दबाव बना रहा है। हालांकि, किसी भी कंज्यूमर को उसकी मर्जी के खिलाफ स्मार्ट मीटर लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे राज्य में कई संगठनों और नागरिकों के स्मार्ट मीटर स्कीम के खिलाफ विरोध करने के बावजूद महावितरण यह प्रोसेस जारी रखे हुए है। महावितरण के अधिकारियों और कर्मचारियों पर मनमाने तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए, MNS ने चेतावनी दी कि अगर शहर के किसी भी हिस्से में जबरन स्मार्ट मीटर लगाने की कोशिश की गई तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि संबंधित कर्मचारियों को MNS के गुस्से का सामना करना पड़ेगा।

प्रदर्शन के दौरान, MNS पदाधिकारियों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद महावितरण मनमाने तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने सरकार पर महावितरण के ज़रिए प्राइवेट कंपनियों को फ़ायदा पहुँचाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आम नागरिकों पर बढ़ते फ़ाइनेंशियल बोझ की भी आलोचना की, क्योंकि महाराष्ट्र के नागरिकों को देश में सबसे महंगी बिजली मिल रही है। MNS ने मांग की कि बढ़ते बिजली बिलों को तुरंत कंट्रोल में लाया जाए, एक्स्ट्रा चार्ज पर फिर से विचार किया जाए और स्मार्ट मीटर लगाने का प्रोसेस कैंसिल किया जाए। नहीं तो, आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज़ करने की चेतावनी भी दी गई। आंदोलन के आखिर में, MNS के डेलीगेशन ने महावितरण के अधिकारियों को एक मेमोरेंडम दिया और ग्राहक की समस्याओं का तुरंत समाधान करने की मांग की। इस मौके पर बड़ी संख्या में MNS के पदाधिकारी और नागरिक मौजूद थे।

महावितरण कार्यालय पर 18 जून को मोर्चा

- स्मार्ट मीटर बिठाने को विरोध
- मैसेज बंद करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ में महावितरण द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को ये मैसेज भेजा जा रहा है कि 48 घंटे के भीतर तुम्हारे मीटर बदली करके स्मार्ट मीटर बिठाया जाएगा. बताया जा रहा है कि भारत सरकार ने ऐसा राजपत्र अधिसूचना जारी किया है. इसके विरोध में शहर के नेता जनहित में मैदान में उतर गए हैं.

नगरसेवक राजेंद्र वालेकर का कहना है कि राजपत्र का मतलब शासन का जीआर नहीं होता है. शासन का अधिकृत निर्णय (जीआर) महावितरण क्यों नहीं बता रहा है. जीआर दिखाओ, नहीं तो जबरन स्मार्ट मीटर बिठाने नहीं दिया जाएगा.

दूसरी तरफ इस संगीन मामले को लेकर नगरसेवक विकास सोमेश्वर आक्रामक हो गए हैं. उनका कहना है कि बिजली ग्राहकों की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं बिठाए जाएं. उनका ये भी कहना है कि पहले एक हजार रुपए बिल आता था. स्मार्ट मीटर लगाने के बाद वह बिजल 10 हजार रुपए आ रहा है. ऐसी शिकायतें नागरिकों द्वारा किए जाने के बाद वह विभाग कार्यालय में पूछताछ के लिए गए. एक कर्मचारी पद्माकर ढोलम (22) मोबाइल से चित्रीकरण करने लगे तो संतप्त विकास हेमराज ने उनका मोबाइल लेकर पटक दिया और उन्हें मीटर फेंककर मारा. ढोलम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. विकास स्मार्ट मीटर ना बिठाने के मुद्दे को लेकर 18 जून को महावितरण कार्यालय पर मोर्चा ले जाने की घोषणा की है. उन्होंने महावितरण एवं अडानी कंपनी के विरुद्ध नाराजगी व्यक्त की है. दिव्यांग सेना ने भी महावितरण को एक निवेदन देकर स्मार्ट मीटर ना बिठाने की मांग की है. कई नगरसेवकों ने सभी शहरवासियों, व्यापारियों ने स्मार्ट मीटर बिठाने का विरोध जताते हुए महावितरण द्वारा भेजे जा रहे मैसेज को तुरंत बंद करने की मांग की है.

आदतन अपराधी के खिलाफ 'MPDA' के तहत कार्रवाई

- येरवदा जेल भेजा गया

उल्हासनगर. शहर में क्रिमिनल एक्टिविटीज़ पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन ने एक आदतन अपराधी के खिलाफ MPDA एक्ट के तहत कार्रवाई की है। यह कार्रवाई ठाणे सिटी पुलिस कमिश्नर के आदेश पर की गई है, और आरोपी को पुणे की येरवदा सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने निरंकारी हॉल, भोलेनाथ टावर, स्कूल नंबर 24, उल्हासनगर कैंप नंबर 2 के पास रहने वाले आर्यन सुरेश पवार के खिलाफ MPDA के तहत कार्रवाई की है, और पवार के खिलाफ उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में क्राइम रजिस्टर नंबर 1020/25 के तहत इंडियन पीनल कोड की धारा 109 और दूसरी गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। वह इस मामले में फिलहाल कल्याण की आधारवाड़ी जेल में ज्यूडिशियल कस्टडी में बंद था। इस बीच, ठाणे सिटी पुलिस कमिश्नर ने उसके क्रिमिनल बैकग्राउंड को देखते हुए उसके खिलाफ 'MPDA' के तहत हिरासत का ऑर्डर जारी किया।

- कल्याण सेशंस कोर्ट का आदेश

कल्याण सेशंस कोर्ट ने आरोपी आर्यन पवार को आधारवाड़ी जेल से कस्टडी में लेकर पुणे की यरवदा जेल भेजने का ऑफिशियल आदेश जारी किया है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, उल्हासनगर पुलिस ने ज़रूरी कानूनी प्रोसेस पूरा करके आरोपी को कस्टडी में लेकर पुणे की यरवदा जेल भेज दिया है।

उल्हासनगर में ई-बस नेटवर्क का होगा विस्तार

- महापौर के कार्यालय में बैठक संपन्न

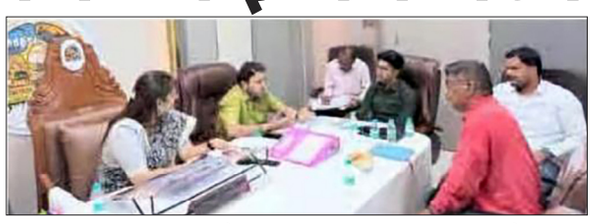

उल्हासनगर. शहर में बढ़ते यातायात जाम और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए, महापौर अश्विनी निकम के कार्यालय में शहर के भीतर और शहर के बाहर के मार्गों पर इलेक्ट्रिक बस सेवाओं के नेटवर्क के विस्तार के संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भविष्य की परिवहन प्रणाली योजना, नए बस मार्गों, चार्जिंग सुविधाओं और यात्री सुविधाओं पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक का उद्देश्य उल्हासनगर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक कुशल, आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल बनाना था।

शहर के अंदर और बाहर विभिन्न मार्गों पर इलेक्ट्रिक बस सेवाओं को बढ़ाने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शिवसेना नेता कमलेश निकम, पार्षद दुर्गा प्रसाद राय और परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए मौजूदा बस सेवा को बढ़ाने और नए मार्ग जोड़ने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से श्रमिकों, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न विकल्पों की समीक्षा की गई।

चार्जिंग सुविधा व स्मार्ट नियोजन

शहर में इलेक्ट्रिक बस सेवाओं के लिए अत्याधुनिक चार्जिंग स्टेशन बनाने, बस स्टॉपों के आधुनिकीकरण, यात्रियों की सुरक्षा के उपायों और भविष्य की परिवहन योजना तैयार करने पर चर्चा हुई। ये ई-बसें न केवल ईंधन की लागत कम करेंगी बल्कि वायु प्रदूषण को भी कम करेंगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देंगी। पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ परिवहन प्रणाली बनाने के लिए दीर्घकालिक योजना पर भी जोर दिया गया।

वालधुनी नदी के पुनरुत्थान के लिए DPR जल्द

- मनपा आयुक्त ने दिलाया भरोसा

कल्याण. कल्याण और उल्हासनगर के बीच बहने वाली वालधुनी नदी को फिर से ज़िंदा करने के लिए महानगर पालिका प्रशासन जल्द ही एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) तैयार करेगा। मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने भी निरीक्षण दौरे के दौरान भरोसा दिलाया कि प्रशासन इनमें से कुछ काम तुरंत शुरू करने के लिए पॉज़िटिव है। महापौर हर्षाली चौधरी और कमिश्नर अभिनव गोयल ने वालधुनी नदी के पॉल्यूशन को रोकने के लिए नदी एरिया का इंस्पेक्शन किया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़, उपायुक्त रामदास कोकरे और वालधुनी नदी कमिटी के पदाधिकारी मौजूद थे।

कमिश्नर ने कहा कि नदी से गाद निकालकर, उसे चौड़ा करके, उसकी सफाई करके और पेड़ लगाकर उसे फिर से ज़िंदा करने के बारे में पॉज़िटिव चर्चा हुई। इसके लिए एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। वालधुनी नदी का पॉल्यूशन एक अहम मुद्दा है। चूंकि नदी दूसरी महानगर पालिका के एरिया से होकर बहती है, इसलिए उन्हें उनसे भी सहयोग की उम्मीद है। उन्होंने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से भी अपील की कि वे नदी के किनारे इंडस्ट्रीज़ से होने वाले पॉल्यूशन को रोकने में मदद करें। कमिश्नर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को एक प्लान सौंपकर वालधुनी नदी के पॉल्यूशन को रोकने की पहल की जाएगी।

विद्यार्थियों के लिए यादगार बना स्कूल का पहला दिन

- यशवंत विद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव
- मुस्कुराते चेहरे, सजे हुए क्लासरूम और मीठी यादें

उल्हासनगर. नए एकेडमिक ईयर के पहले दिन विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी के फूल खिले, वहीं यशवंत विद्यालय का कैंपस भी उत्साह, रंग और स्वागत की भावना से खिल उठा। फूलों से सजे क्लासरूम, दरवाज़े से फूलों की बारिश, हाथों में गुलाब लेकर स्वागत के लिए तैयार प्रिंसिपल, टीचर्स और मिड-डे मील के दौरान मीठी दावत ने विद्यार्थियों के स्कूल के पहले दिन को यादगार बना दिया।

श्रीराम शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा चलाए जा रहे यशवंत विद्यालय में एकेडमिक ईयर 2026-27 का प्रवेश उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सोमवार, 15 जून को नए एकेडमिक ईयर की शुरुआत में पूरे स्कूल कैंपस को आकर्षक सजावट से सजाया गया था। गुब्बारे, फूलों के मेहराब और रंग-बिरंगी सजावट ने स्टूडेंट्स का मन मोह लिया। स्कूल के एंट्रेंस पर हर स्टूडेंट का गुलाब देकर स्वागत किया गया। नई क्लास में एंटर करते समय स्टूडेंट्स के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने लायक था। इस प्रवेशोत्सव के लिए श्रीराम शिक्षण प्रसारक मंडल के प्रेसिडेंट डॉ. विलास चौधरी का कीमती मार्गदर्शन मिला। ऑर्गनाइजेशन की तरफ से नए एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को फ्री टेक्स्टबुक बांटी गईं।

प्रिंसिपल विजय येवले और प्रमोद नेहेते के साथ-साथ सभी टीचर्स ने स्टूडेंट्स का तहे दिल से स्वागत किया। मिड-डे मील में परोसी गई मीठा हलवा ने विद्यार्थियों की खुशी को दोगुना कर दिया. स्कूल का यह एंट्रेंस सेरेमनी सिर्फ एक वेलकम सेरेमनी नहीं बल्कि एक कभी न भूलने वाला एक्सपीरियंस था जिसने स्टूडेंट्स के मन में पढ़ाई के प्रति प्यार, अपनापन और पॉजिटिव एनर्जी भर दी।

गुटखा बेचने वाले तीन टपरी चालकों के खिलाफ अपराध दर्ज

कल्याण. ठाणे फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों की शिकायत पर कल्याण शहर के अलग-अलग इलाकों में पान टपरियों से दिनदहाड़े बैन गुटखा बेचने वाले तीन टपरी चालकों के खिलाफ खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। इन पान टपरियों से कुल 11 हजार रुपये का अलग-अलग तरह का फ्लेवर वाला गुटखा जब्त किया गया है।

ठाणे में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के अधिकारियों को सीक्रेट जानकारी मिली थी कि कल्याण वेस्ट के कुछ इलाकों में गुटखा जमा करके पान टपरियों के जरिए बेचा जा रहा है। महिला फूड सेफ्टी ऑफिसर एस. बी. अगवाने, खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल वटकर, आर. ए. शेख अचानक खड़कपाड़ा बारावे स्थित आर मार्ट के पास गोदरेज हिल इलाके में सिंह पान शॉप की दुकान पर पहुंचे। दुकान में प्रतिबंधित विमल पान मसाला, केसर पान मसाला, राजश्री पान मसाला, राजश्री कोल्हापुरी पान मसाला, बाजीराव, आरएमडी पान

मसाला, राज कोल्हापुरी, रजनीगांधी जैसे प्रतिबंधित गुटखा का स्टॉक पाया गया। पान टपरी चालक संतोष पारसनाथ सिंह (50, निवासी राधानगर, गोदरेज हिल, डोंबिवली) की दुकान से 8,000 रुपये का स्टॉक जब्त किया और सिंह को हिरासत में ले लिया।

टीम ने गोदरेज हिल के पास किशोर वाइन शॉप के पास आमंत्रण पान दुकान पर छापा मारा। वहां, दुकान के सामने के क्षेत्र में प्रतिबंधित गुटखा की मालाएं लटकी हुई थीं। उनकी दुकान में प्रीमियम राजश्री पान मसाला का स्टॉक पाया गया। राजेश को टीम ने हिरासत में ले लिया।

इसके बाद टीम अंबिवली पश्चिम में मिनडे सदन में एन. डी. पान की दुकान पर पहुंची। इस पान की दुकान के मालिक राहुल कुमार चौरसिया (33, परशुराम टावर, मुरबाद रोड, कल्याण) हैं। इस दुकान में प्रीमियम राज पान मसाला, विमल पान मसाला, कमला प्रसाद पान मसाला, डायरेक्टर स्पेशल पान मसाला की मालाएं खुलेआम लटकी हुई थीं। चौरसिया ने यह जानकारी नहीं दी कि उसे यह गुटखा कहां से मिला। उसकी दुकान से 2,000 रुपये से ज़्यादा कीमत का बैन गुटखा ज़ब्त किया गया।

तीनों को खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन लाया गया। उनसे शुरू में पूछताछ की गई। इन तीनों पान टपरी चलाने वालों के खिलाफ राज्य में बैन गुटखा की बिक्री बैन होने की जानकारी होने के बावजूद बैन गुटखा बेचने के लिए इंडियन पीनल कोड की धारा 123 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जानना चाहती है कि इन तीनों लोगों को यह गुटखा कहां से मिला। इन तीनों से मिली जानकारी से बैन गुटखा बेचने की एक बड़ी चेन का खुलासा होने की संभावना है।

अंबरनाथ-काटई रूट पर जारी रहेगा ट्रैफिक जाम

- काकोलेगांव ब्रिज का काम लंबित
- ट्रैफिक में बदलाव 30 अगस्त तक

अंबरनाथ. अंबरनाथ, बदलापुर और डोंबिवली इलाकों के ड्राइवरों के लिए बहुत ज़रूरी खबर है। अंबरनाथ ट्रैफिक सबडिवीजन में खोनी और फॉरेस्ट नाका के बीच चल रहा सीमेंट कंक्रीटिंग का काम और काकोलेगांव में पुराने ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाने का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। इसलिए, इस रूट पर ट्रैफिक जाम से बचने के लिए लागू किया गया ट्रैफिक कंट्रोल नोटिफिकेशन अब 30 अगस्त, 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

ठाणे सिटी ट्रैफिक डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस पंकज शिरसाट ने इस बारे में ऑर्डर जारी किए हैं। इसलिए, जाम कम होने के बजाय और बढ़ेगा। चूंकि तोड़े गए ब्रिज के पास वाली लेन पर डुअल ट्रैफिक चलता रहेगा, इसलिए इस रूट पर जाम जारी रहेगा। खोनी से फॉरेस्ट नाका रूट पर महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के ज़रिए काम चल रहा है। यह रूट इस इलाके में बहुत ज़रूरी है। इस कटाई रूट से हर दिन हज़ारों यात्री डोंबिवली, ठाणे, मुंबई और नवी मुंबई जाते हैं। हालांकि, इस रूट पर कटाई, पलावा और शिलफाटा में ड्राइवरों को पहले से ही भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। अब, काकोलेगांव ब्रिज पर काम में देरी के कारण, इस पूरे हिस्से में एक नई रुकावट आ गई है।

बदलापुर से काटई की ओर ट्रैफिक

- **एंट्री बंद :** बदलापुर से काटई जाने वाले सभी तरह के वाहनों को आनंदनगर MIDC पर रोका जाएगा। पुलिस पोस्ट से 300 मीटर पहले, 'एंट्री बंद'।
- **पर्यायी रास्ता :** ये गाड़ियां आनंदनगर MIDC पुलिस पोस्ट से 300 मीटर आगे कट से दाएं मुड़कर 'कटाई-बदलापुर रोड' ले सकती हैं, फिर आजा होटल के सामने कट से मेन रोड पर बाएं मुड़कर अपनी मंज़िल पर जा सकती हैं।

कमलधाम आश्रम और आजा लॉज से जाने वाला ट्रैफिक

- **एंट्री बंद :** कमलधाम आश्रम और आजा लॉज से काकोलेगांव जाने वाली सभी तरह की गाड़ियों की काकोलेगांव ब्रिज के पास 'एंट्री बंद' कर दी गई है।
- **पर्यायी रास्ता :** ये गाड़ियां आजा होटल से बाएं मुड़कर अपनी मंज़िल पर जाएंगी। यह ट्रैफिक बदलाव पुलिस की गाड़ियों, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, ग्रीन कॉरिडोर, ऑक्सीजन गैस गाड़ियों और दूसरी ज़रूरी सर्विस वाली गाड़ियों पर लागू नहीं होगा। वे हमेशा की तरह आ-जा सकेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने इस रास्ते पर चलने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें और भीड़ से बचने के लिए प्रशासन का साथ दें।

पुलिस स्टेशन के बाहर दो गुटों में झड़प

अंबरनाथ. अंबरनाथ वेस्ट में दो लोगों ने पुराने झगड़े में एक व्यक्ति और उसके दोस्त को अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के मेन गेट के ठीक सामने बुरी तरह पीटा। विनय सुरेश धावले (38) ने इस बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के आधार पर जिन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, उनके नाम सागर झवेरी और प्रशांत झवेरी हैं। शिकायत करने वाला विनय धावले अपने दोस्त निखिल कटके की कार से अंबरनाथ पुलिस स्टेशन आया था। इसी बात को गुस्सा मानकर आरोपी सागर झवेरी और प्रशांत झवेरी उसके पास आए। सागर ने विनय को कसकर पकड़ रखा था, जबकि प्रशांत ने विनय के सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जब उनका गवाह शिवदास गायकर झगड़ा सुलझाने के लिए बीच-बचाव करने गया, तो दोनों आरोपियों ने उसे भी थप्पड़ से पीटा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

EVM जल जाने की घटना से भरोसा डगमगाएगा

जिस चुनावी प्रक्रिया पर विपक्षी दलों की ओर से लगातार सवाल उठाए जाते रहे हों, कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हों, उस पर कोई स्पष्टता आने के बजाय अगर चुनाव से जुड़े संसाधनों को लेकर घोर लापरवाही बरती जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा? पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ, लेकिन उसमें उपयोग में लाई गई करीब चार हजार इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों का जल कर खाक हो जाने की घटना संदेह पैदा करती है।

पिछले हफ्ते कोलकाता की सरकारी इमारत में ऊपरी मंजिलों पर रखी मशीनों में आग लग जाने के पीछे विपक्षी दलों ने साजिश की आशंका जताई है। सवाल है कि सभी ईवीएम अगर उच्च सुरक्षा क्षेत्र में रखी गई थीं, तो वहां आग कैसे लगी? खबरों के मुताबिक, तीसरी मंजिल पर लगी आग सातवीं-आठवीं मंजिल तक पहुंच गई, जहां ईवीएम रखी गई थी। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएं, लेकिन जिन इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों से मतदान कराने को लेकर तमाम विपक्षी दलों की ओर से बार-बार सवाल उठाए जाते रहे हैं, उनकी सुरक्षा और निगरानी में ऐसी गंभीर लापरवाही कैसे बरती गई? इतनी बड़ी तादाद में ईवीएम जल जाने की घटना के बाद स्वाभाविक ही न सिर्फ राजनीतिक दलों का, बल्कि मतदाताओं का भी भरोसा एक बार फिर डगमगाएगा।

गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव के पहले और उसके दौरान तृणमूल कांग्रेस ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण सहित पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। गंभीर आरोपों के बीच क्या यह चुनाव आयोग का दायित्व नहीं था कि वह ईवीएम की सुरक्षा और विश्वसनीयता को कायम रखने के पुख्ता इंतजाम करता? इससे जुड़े कई आरोपों पर स्पष्टता लाने के विपरीत हुआ यह कि पश्चिम बंगाल में ईवीएम के जल जाने की घटना ने संदेहों को और पुख्ता कर दिया है। ऐसे समय में जब वोटों की गिनती में गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर अदालतों से हस्तक्षेप की मांग की जा रही हो, यह घटना चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करती है। ईवीएम जल जाने की घटना के बाद मतदाताओं का भरोसा एक बार फिर कसौटी पर है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतंत्र मतदाताओं के विश्वास से चलता है। इसके टूटने से उसकी बुनियाद हिल सकती है।

विमर्श

सत्ता के विस्तार की भाजपाई रणनीति

सरकारों द्वारा अपने 100 दिन का भी जश्न जोर-शोर से मनाने के दौर में नरेन्द्र मोदी सरकार का 13वें वर्ष में प्रवेश बड़ी उपलब्धि है। लोकसभा में मात्र दो सीटों से शुरुआत करने वाली भाजपा के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि भी है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार उसकी सरकार होने के साथ ही 22 राज्यों में भी उसकी या उसके नेतृत्व वाले राजग की सत्ता है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में साढ़े चार दशक में सत्ता का ऐसा सफर किसी भी राजनीतिक दल के लिए प्रेरक हो सकता है और लक्ष्य भी। भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ को सीमित सत्ता-सफलताएं गैर कांग्रेसी दलों से गठबंधन में ही मिलीं। हालांकि 1980 में जनसंघ ने भाजपा के रूप में अपनी पृथक वैचारिक पहचान की राह पर लौटने का फैसला किया। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के लिए उपजी सहानुभूति लहर में हुए 1984 के अपने पहले ही चुनाव में भाजपा मात्र दो लोकसभा सीटों पर सिमट गई थी। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में भी भाजपा को राजनीतिक स्वीकार्यता और लोकप्रियता बढ़ाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

बोफोर्स तोप सौदे में दलाली के आरोपों की पृष्ठभूमि में कांग्रेस विरोधी माहौल में हुए 1989 के लोकसभा चुनाव से केंद्र में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार सत्तारूढ़ होने में वाम मोर्चा और भाजपा दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। राष्ट्रीय मोर्चा के मुख्य घटक जनता दल में विश्वनाथ प्रताप सिंह-देवीलाल और चंद्रशेखर के बीच सत्ता संघर्ष

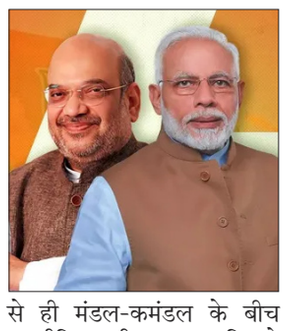

से ही मंडल-कमंडल के बीच राजनीतिक ध्रुवीकरण हुआ, जिससे कांग्रेस कमजोर होती गई और भाजपा मजबूत।

कांग्रेस की कमजोरी उसकी संगठनात्मक निष्क्रियता का भी परिणाम रही, जबकि भाजपा ने लगातार कड़ी मेहनत से 'मंडल' को भी 'कमंडल' में समाहित करते हुए जनाधार का विस्तार किया। 1991 में चुनाव प्रचार के दौरान राजीव गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर से कांग्रेस पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में केंद्र में अल्पमत सरकार बनाने में तो सफल हो गई, लेकिन पहली बार 120 सीटों के साथ भाजपा मुख्य विपक्षी दल बन गई। राव सरकार की विदाई के बाद 1996 में 161 सीटों के साथ लोकसभा में सबसे बड़े दल के रूप में उभरी भाजपा पहली बार केंद्र में सरकार बनाने में सफल हुई, लेकिन विश्वासमत हासिल करने से पहले ही 13वें दिन वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सबसे बड़े दल के विरुद्ध राजनीतिक गोलबंदी से बनी कांग्रेस की कठपुतली गठबंधन सरकारों को मतदाताओं ने जनादेश का अपमान माना और 1998 में भाजपा को 182 सीटों के साथ फिर सबसे बड़ा दल बना दिया।

इस बीच भाजपा ने अन्य दलों के साथ रिश्ते बनाते हुए राजग का भी विस्तार किया, लेकिन शह-मात के खेल में सरकार साल भर ही चल पाई। बहुचर्चित कारगिल प्रकरण के बावजूद 1999 में भाजपा की सीटें आश्चर्यजनक रूप से न बढ़ीं, न घटीं, लेकिन 'शाइनिंग इंडिया' की आत्ममुग्धता का शिकार होकर समय पूर्व लोकसभा चुनाव कराने से पहले वाजपेयी सरकार स्थिर ही नजर आ रही थी।

वाजपेयी सरीखे विराट राजनेता को राजनीति में 'नौसिखिया' बताई जा रहीं सोनिया गांधी ने गठबंधन की बिसात से 2004 के लोकसभा चुनाव में मात दे कर देश-दुनिया को चौंका दिया। खुद प्रधानमंत्री बनने के बजाय सोनिया ने मनमोहन सिंह को चुना, जिनके नेतृत्व में 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 1984 के बाद पहली बार 200 सीटों का आंकड़ा भी पार कर गई, जबकि भाजपा 138 से फिसलते हुए 116 पर जा पहुंची।

मनमोहन सरकार के पतन के बाद मोदी के नेतृत्व में चार दशक बाद पहली बार किसी दल को अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ और उसके बाद देश के राजनीतिक इतिहास ने एक नई करवट ली। भाजपा ने राजनीतिक रूप से अनुर्वर समझे जाने वाले राज्यों में भी अपनी सत्ता का जैसा विस्तार किया है, वह अप्रत्याशित ही कहा जाएगा। मोदी के 'कांग्रेसमुक्त भारत' के नारे की अब भी चर्चा हो ही जाती है, लेकिन भाजपा के अभूतपूर्व विस्तार में विपरीत विचारधारा वाले अन्य दलों से आए नेताओं की भी एक बड़ी भूमिका रही है, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या कांग्रेसियों की ही है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास,
यदि सही तरीके से किया जाए,
तो प्रयासरहित होता है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता?

देश में हवाई सफर को सुलभ एवं किफायती बनाने के लिए विमान सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। नए-नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों का निर्माण किया जा रहा है। मगर यात्रियों की सुरक्षा के मोर्चे पर माकूल व्यवस्था का अभाव आज भी साफ नजर आता है।

तकनीकी खराबी, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां और सतर्कता की गंभीरता को नजरअंदाज किए जाने से होने वाली मानवीय चूक का ही नतीजा है कि विमान हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। असम के जोरहाट में शनिवार को एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वायुसेना के पांच कर्मियों की जान चली गई।

सवाल है कि देश भर में अब तक हुए विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? कोई एक ही तरह की खामी बार-बार हादसों का कारण कैसे बन रही है? क्या दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को आर्थिक मदद मुहैया करा देने भर से विमानन कंपनियों और संबंधित नियामक प्राधिकरणों की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है! भविष्य में इस तरह के हादसों पर रोक लगाने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व आखिर किसका है?

इसमें दोराय नहीं कि हाल के वर्षों में

हवाई यात्रा की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर इसी अनुपात में पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण मौजूदा संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ा है, जिससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, लगभग पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारक होती है। विमान के उड़ान भरने और जमीन पर उतरते समय जब स्थिति बिगड़ती है, तो काकपिट में होने वाला भ्रम भी हादसों का कारण बनता है।

खबरों के मुताबिक, एएन-32 परिवहन विमान के साथ भी यही हुआ, हवाईअड्डे पर उतरते समय विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह रनवे से फिसल कर दो हिस्सों में टूट गया, जिससे उसमें आग लग गई। इसके अलावा हिमालयी क्षेत्रों में मौसम और भौगोलिक बनावट भी उड़ान संचालन के लिए बेहद जोखिम भरी होती है। कई बार मौसम पूर्वानुमान की सटीक जानकारी न होने से विमान हादसे का शिकार हो जाता है।

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या किसी विमान दुर्घटना के कारणों का गहराई से विश्लेषण कर संचालन व्यवस्था में सुरक्षात्मक उपायों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाता है?

हालांकि, हादसों की जांच और विश्लेषण की प्रक्रिया में समूचे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई विमान दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट तो सार्वजनिक ही नहीं की जाती है।

अगर हादसा बड़ा हो, तो उसकी जांच पूरी होने में लंबा वक्त लग जाता है और फिर उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। पिछले साल अहमदाबाद में हुआ एअर इंडिया का विमान हादसा इसका उदाहरण है, जिसकी अंतिम जांच रिपोर्ट एक साल बाद भी सामने नहीं आई है। इस दुर्घटना में कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के पीड़ित परिवार आज भी इस तथ्य के सामने आने का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर उस दिन विमान में हुआ क्या था। अगर किसी विमान हादसे की जांच रिपोर्ट आने में ही एक साल से ज्यादा का वक्त लग जाए, तो यात्रियों के सुरक्षित सफर की स्थिति क्या होगी, इसका आकलन करना मुश्किल नहीं है।

भारत के किस राज्य में हैं सबसे ज्यादा पहाड़ !

जरा हट के

जब भी भारत के सबसे ज्यादा पर्वतीय राज्य की बात होती है, तो ज्यादातर लोग उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर या सिक्किम का नाम लेते हैं. ऊंची-ऊंची बर्फीली चोटियों और प्रसिद्ध हिमालयी स्थलों के कारण ये राज्य लोगों के मन में सबसे पहले आते हैं. हालांकि भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो सबसे ज्यादा पर्वतीय क्षेत्र वाला राज्य हिमाचल प्रदेश माना जाता है. यही वजह है कि प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य ज्ञान से जुड़े सवालों में यह प्रश्न अक्सर लोगों को भ्रमित कर देता है.

हिमाचल प्रदेश का ज्यादातर भूभाग पहाड़ों से घिरा हुआ है. राज्य का करीब 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा पर्वतीय क्षेत्र में आता है. यही कारण है कि इसे देवभूमि के साथ-साथ पर्वतों की धरती भी कहा जाता है. यहां की भौगोलिक संरचना बेहद विविध और आकर्षक है. हिमाचल का

क्षेत्र बाहरी हिमालय, मध्य हिमालय और महान हिमालय जैसी प्रमुख पर्वत श्रृंखलाओं में फैला हुआ है, जो इसे प्राकृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं.

राज्य की ऊंचाई कुछ स्थानों पर समुद्र तल से लगभग 350 मीटर से शुरू होकर 7,000 मीटर के आसपास तक पहुंच जाती है. यहां बर्फ से ढकी चोटियां, गहरी घाटियां, विशाल ग्लेशियर और तेज बहती नदियां प्राकृतिक सौंदर्य को और खास बनाती हैं. सतलुज, रावी और चेनाब जैसी महत्वपूर्ण नदियां भी इसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं और प्रदेश की पहचान का हिस्सा हैं.

कई लोग यह मानते हैं कि उत्तराखंड या लद्दाख में मौजूद ऊंची चोटियां ही किसी राज्य को सबसे पर्वतीय बनाती हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार केवल ऊंचाई नहीं बल्कि पर्वतीय क्षेत्र का विस्तार और घनत्व भी महत्वपूर्ण होता है. उत्तराखंड में नंदा देवी जैसी प्रसिद्ध चोटियां हैं, जबकि लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में दुनिया की कुछ सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं मौजूद हैं. इसके बावजूद हिमाचल प्रदेश का बड़ा हिस्सा लगातार पर्वतीय भूभाग से ढका हुआ है, जो इसे अलग पहचान देता है.

ठेचा पुलाव

खाना-खजाना

सामग्री:

ठेचा पेस्ट के लिए-
- हरी मिर्च- 8-10
- लहसुन की कलियां- 10-12
- भुनी हुई मूंगफली- 3 बड़े चम्मच
- हरा धनिया- आधा कप
- जीरा- 1 छोटा चम्मच
- तेल- 1 बड़ा चम्मच

पुलाव के लिए-
- बासमती चावल- 1 कप
- प्याज- 1 बड़ा
- आधा कप मटर, गाजर, बीन्स
- राई और जीरा- 1/2 छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ता- 7-8
- हींग- एक चुटकी
- हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच
- घी या तेल- 2 बड़े चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच

विधि :

सबसे पहले एक पैन में एक चम्मच तेल गरम करें। इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर 2-3 मिनट तक भूनें, जब तक कि मिर्च पर हल्के सफेद दाग न दिखने लगें।

अब गैस बंद कर दें और इसमें

भुनी हुई मूंगफली और हरा धनिया मिलाएं। इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। इसके बाद, इसे मिक्सी में पानी डाले बिना दरदरा पीस लें।

अब एक भारी तले वाले बर्तन या कुकर में घी या तेल गरम करें। इसमें राई, जीरा, हींग और कढ़ी पत्ता डालकर चटकाएं। अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। इसके साथ ही सब्जियां डालकर 2 मिनट के लिए पका लें।

अब तैयार किया हुआ दरदरा ठेचा पेस्ट इस तड़के में डालें। इसे धीमी आंच पर 2 मिनट तक भूनें, ताकि लहसुन और मिर्च का कच्चापन पूरी तरह निकल जाए और बेहतरीन खुशबू आने लगे। इसके बाद हल्दी और गरम मसाला डालकर मिलाएं।

इसके बाद भीगे हुए चावलों का पानी छानकर उन्हें इस मसाले में डालें और मिक्स करें। अब इसमें 2 कप गुनगुना पानी और स्वादानुसार नमक डालें और ऊपर से नींबू का रस निचोड़ें।

इंसानी दिमाग की काबिलियत को चुपचाप घटा रहा है AI

वैज्ञानिकों ने बताया इसे 'एपिस्टेमिक रिस्क'

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। जब भी AI से जुड़े खतरों की बात होती है, तो लोगों को अक्सर नौकरियां जाने या हॉलीवुड फिल्मों जैसे 'किलर रोबोट्स' का ख्याल आता है, लेकिन हाल ही में, शोधकर्ताओं ने एक ऐसे खतरे की ओर इशारा किया है जो बिना शोर मचाए हम पर हावी हो रहा है। जी हां, हमारी स्वतंत्र रूप से सोचने, तर्क करने और सही फैसले लेने की क्षमता का धीरे-धीरे कम होना।

समाज के लिए एक नई चुनौती

ऑक्सफोर्ड, एमआईटी, कॉर्नेल और कार्नेगी मेलन जैसी दुनिया की जानी-मानी

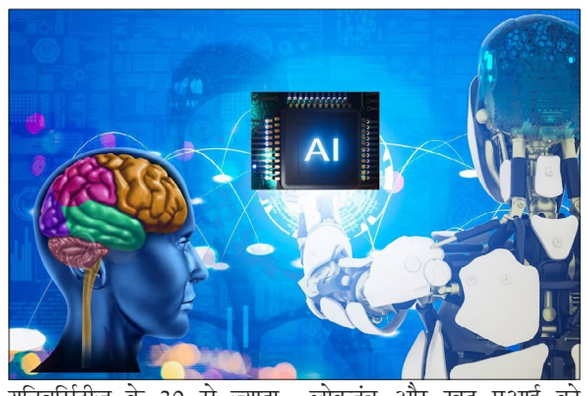

यूनिवर्सिटीज के 30 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने एक नई रिसर्च पब्लिश की है। उन्होंने इस नए खतरे को 'एपिस्टेमिक रिस्क' का नाम दिया है।

इसका सीधा-सा मतलब यह है कि अगर इंसान सही और गलत की पहचान करने या तार्किक रूप से सोचने की अपनी सामूहिक क्षमता खो देगा, तो वैज्ञानिक विकास, लोकतंत्र और खुद एआई को संभालना मुश्किल हो जाएगा। वैज्ञानिक मानते हैं कि एआई पर हमारी बढ़ती अंधाधुंध निर्भरता हमारी इसी बुनियादी नींव पर प्रहार कर रही है।

दिमाग पर चढ़ा 'प्लास्टर'

रिसर्च के मुताबिक, जैसे-जैसे हम लिखने, डेटा खंगालने या फैसले लेने के लिए एआई पर निर्भर हो रहे हैं, वैसे-वैसे हमारी खुद की दिमागी काबिलियत घट रही है। रिपोर्ट में इसे एक बेहतरीन उदाहरण से समझाया गया है:

अगर आप अपने हाथ पर लंबे समय तक प्लास्टर बांधे रखें, तो काम न करने के कारण अंदर की मांसपेशियां सिकुड़ कर कमजोर हो जाती हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि एआई भी हमारे दिमाग के लिए उसी प्लास्टर की तरह बन गया है, जिसे हम खुशी-खुशी और अपनी मर्जी से दिन-रात पहने हुए हैं।

शोध में सामने आए चौंकाने वाले फैक्ट्स...

- वैज्ञानिकों की इस चेतावनी के पीछे हवा-हवाई बातें नहीं, बल्कि ठोस सबूत मौजूद हैं:
- **कोडिंग में सुस्ती:** जिन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स ने एआई की मदद से काम किया, उनमें गलतियां ढूंढने और उन्हें ठीक करने की क्षमता उन लोगों से कम पाई गई जिन्होंने बिना एआई के अपनी मेहनत से काम किया था।
- **दिमाग का कम इस्तेमाल:** एआई की मदद से लिखने वाले लोगों के ब्रेन स्कैन से पता चला कि उनके दिमाग में सामान्य इंटरनेट सर्च करने वालों के मुकाबले काफी कम हलचल हो रही थी।
- **पूरी तरह काम सौंपने की आदत:** चैटबॉट्स के साथ की गई लाखों बातचीत के विश्लेषण से पता चला कि लोग एआई को अपना 'सहयोगी' मानने के बजाय, अपना पूरा काम उसी पर छोड़ते जा रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष : रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे।

वृषभ : फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है।

मिथुन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग हैं।

कर्क : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

सिंह : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे। सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे।

कन्या : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। सश्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

तुला : भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा।

वृश्चिक : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें। इच्छित लाभ होगा।

धनु : स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नाति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें। परिवार की मदद मिलेगी।

मकर : व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा।

कुंभ : पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा।

मीन : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सब्जी एक और फायदे अनेक!

सहजन का पौधा, जिसे मोरिंगा या ड्रमस्टिक के नाम से भी जाना जाता है. सहजन अपने औषधीय गुणों के कारण लंबे समय से आयुर्वेद में इस्तेमाल किया जाता रहा है. इसकी पत्तियां, फलियां, फूल, बीज और छाल तक का उपयोग विभिन्न घरेलू और पारंपरिक उपचारों में किया जाता है. यही कारण है कि सहजन को स्वास्थ्य के लिए बेहद उपयोगी पौधा माना जाता है.
आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य विष्णुदत्त प्रजापति के अनुसार सहजन में विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. ये तत्व शरीर को पोषण देने के साथ-साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं.

सहजन का उपयोग अक्सर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है. इसकी पत्तियों का सेवन करने से शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है. कई लोग इसकी

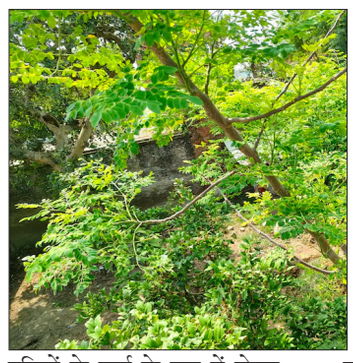

पत्तियों के चूर्ण के रूप में सेवन करते हैं.

पाचन समस्या में फायदेमंद: पारंपरिक रूप से सहजन का उपयोग पाचन संबंधी समस्याओं में भी किया जाता है. इसकी फलियों की सब्जी खाने से पाचन क्रिया बेहतर रहने में मदद मिलती है. इसके अलावा कुछ लोग कब्ज और पेट से जुड़ी अन्य सामान्य परेशानियों में भी इसका उपयोग करते है.

सहजन की पत्तियों और फलियों को हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है. इनमें कैल्शियम और अन्य खनिज तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं. इसी वजह से कई लोग इसे अपने नियमित आहार में शामिल करते है.

विष्णुदत्त प्रजापति बताते है कि आयुर्वेद में सहजन का उपयोग जोड़ों के दर्द और सूजन से जुड़ी समस्याओं में भी बताया गया है. इसके विभिन्न हिस्सों का प्रयोग पारंपरिक उपचारों में किया जाता रहा है. हालांकि किसी भी गंभीर बीमारी में केवल घरेलू उपायों पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है.

सहजन के फूल और बीज भी उपयोगी माने जाते है. इनके विभिन्न उपयोगों का उल्लेख आयुर्वेदिक ग्रंथों में मिलता है. इसके बीजों से निकाला गया तेल त्वचा और बालों की देखभाल में भी इस्तेमाल किया जाता है. कई हर्बल उत्पादों में सहजन का उपयोग किया जाता है.

विशेषज्ञ वैद्य विष्णुदत्त प्रजापति का कहना है कि सहजन पोषण से भरपूर पौधा है. लेकिन इसे किसी बीमारी का निश्चित इलाज नहीं माना जाना चाहिए. यह एक पौष्टिक खाद्य पदार्थ और पारंपरिक औषधीय पौधा है जो संतुलित आहार का हिस्सा बन सकता है. किसी भी स्वास्थ्य समस्या या औषधीय उपयोग से पहले योग्य चिकित्सक या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह लेना आवश्यक है.

अंडे फ्रेश हैं या सड़े हुए, मिनटों में करें पहचान

अक्सर डॉक्टर्स को आपने ये कहते सुना होगा कि संडे हो या मंडे रोज खाओ अंडे. प्रोटीन से भरपूर अंडे हर दिन एक तो हर किसी को खाना चाहिए, क्योंकि ये मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं. मसल्स रिपेयर का काम करते हैं. बाल, त्वचा, आंखों से लेकर हार्ट तक के लिए अंड हेल्दी होते हैं. कई बार जब आप अंडे पकाते हैं तो उसमें से बहुत ही खराब सी स्मेल आती है. तोड़ते ही पीला वाला भाग फैल सा जाता है. पकाने और खाने में अजीब सी स्मेल आती है. ऐसे

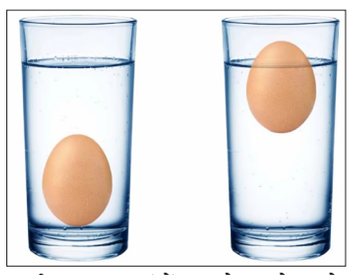

खराब अंडों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है. आप घर पर खराब और सड़े अंडों की पहचान कर सकते हैं. जानिए यहां सड़े, खराब अंडों की पहचान करने के कुछ आसान से घरेलू हैक्स के बारे में....

1. **पानी वाला टेस्ट-** आपको लग रहा है कि अंडे कहीं बाहर रखे-रखे गर्मी में खराब न हो गए हों, तो आप पानी वाला टेस्ट करके देखिए. आप एक बड़े से बाउल में पानी भरें. इसमें तीन-चार अंडे डाल दें. यदि अंडा डूब जाता है तो वह बिल्कुल सही है और अंडा तैरता है पानी पर तो समझ लें वो खराब है. एक बात और ध्यान दें कि अगर पानी में नीचे जाकर अंडा खड़ा हो जाए तो वह थोड़ा पुराना होने का संकेत है, लेकिन इसे इस्तेमाल कर सकते हैं. जब पुराना हो जाता है अंडा तो उसके अंदर हवा की मात्रा अधिक बढ़ जाती है, इसी कारण से वह पानी में तैरता है.
2. **सूंघकर पहचानें-** जब आप ऑमलेट बनाने के लिए अंडे को तोड़ें तो उसे स्मेल करके देखिए. यदि बहुत ही गंदी सी बदबू आए, अंडा फोड़ते ही पीला वाला हिस्सा गोल नहीं बल्कि फैल जाए तो ये खराब है. इसे फेंक दें. फ्रेश अंडे से कोई भी स्मेल नहीं आती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

करोड़ों का जालसाज दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, गोरखपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गोरखपुर. विदेश में नौकरी और आकर्षक भविष्य का सपना दिखाकर बेरोजगार युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी कर अमेरिका भाग रहे एक जालसाज को पुलिस ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर गोरखपुर लाकर रविवार को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, कुशीनगर जिले के कसया थाना क्षेत्र के करहिया हजारी पट्टी निवासी राहुल कुमार सिंह उर्फ आकाश सिंह उर्फ विनय सिंह पुत्र भानु ने कैम्पियरगंज में करमैनी रोड पर स्काई टूर ट्रेवल्स टेस्ट ट्रेनिंग सेंटर खोला था। वह विदेश में नौकरी दिलाने और वीजा उपलब्ध कराने का झांसा देकर युवाओं से लाखों रुपये वसूलता था। आरोप है कि कई लोगों से रकम लेने के बाद न तो वीजा उपलब्ध कराया गया और न ही किसी को विदेश भेजा गया। पीड़ितों ने कैम्पियरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

नेपाल से लौट रहे तीन दोस्तों की कार एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराई, एक युवक की मौत

यूपी के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों दोस्त नेपाल घूमकर कार से अपने घर लौट रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। पंजाब और हरियाणा के रहने वाले तीन दोस्त नेपाल घूमने के बाद कार से जालंधर की ओर वापस लौट रहे थे। रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे उनकी कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लखनऊ से आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर इटावा जिले के चौबिया थाना क्षेत्र में बनी हरदू गांव के पास पहुंची थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर मिडिल डिवाइडर पर बनी पुलिया से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए।

गूगल मैप के भरोसे चल रही कार नाले में गिरी; गेट तोड़कर लोगों को निकाला, टला बड़ा हादसा

हापुड़. हापुड़ में मेरठ जाने वाले फ्लाईओवर पर मरम्मत कार्य के चलते बंद रास्ते का विकल्प तलाशना एक परिवार को भारी पड़ गया। गौतमबुद्ध नगर के दादरी क्षेत्र से मेरठ जा रहा परिवार गूगल मैप के बताए रास्ते पर चला तो उनकी कार प्रीत विहार क्षेत्र में एक नाले में जा गिरी। हादसे में कार सवार सभी लोग अंदर फंस गए और करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। जानकारी के अनुसार, दादरी के सद्दोकपुरा निवासी मोहम्मद ईशान अपने परिवार के साथ मेरठ के किठौर में रिश्तेदारी में जा रहे थे। मेरठ की ओर जाने वाले आरओबी पर यातायात बंद होने के कारण चालक ने गूगल मैप की मदद से वैकल्पिक रास्ता चुना। रात करीब 10 बजे कार मैप के निर्देशों का पालन करते हुए हापुड़ के प्रीत विहार क्षेत्र पहुंची और अचानक करीब चार फुट गहरे नाले में जा गिरी।

TMC के 20 बागी सांसदों का NCPI में विलय

- 3 साल पहले पति-पत्नी ने यह पार्टी बनाई थी
- नारा था- दलबदलू नेताओं को नकारो

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी।

NCPI के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। NCPI अध्यक्ष उत्तिया ने 13 मई को फेसबुक पर बंगाल CM शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी।

हावड़ा में NCPI का ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। उनकी पत्नी शेउली के नाम के नीचे कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील लिखा है।

बागी TMC सांसद बोले- NDA के साथ काम करेंगे

- TMC के 28 में से 20 लोकसभा सांसदों ने रविवार को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय की घोषणा की। बागी सांसदों ने रविवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की।
- लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा कि TMC के दो-तिहाई लोकसभा सांसदों ने अलग गुट के रूप में मान्यता देने के लिए पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा- हम PM मोदी के नेतृत्व में NDA के साथ काम करेंगे। बिरला से TMC के बागी सांसदों की मुलाकात की जो फोटो सामने आई है, उसमें 17 TMC सांसद दिख रहे हैं। स्पीकर से मुलाकात से पहले सांसदों ने बंगाल भाजपा प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक की थी

NCPI बंगाल में रजिस्टर्ड, त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत

NCPI का रजिस्टर्ड पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बानीपुर इलाके में है। पार्टी ने 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन उसके उम्मीदवार या तो NOTA से पीछे रहे या फिर उससे थोड़ा ज्यादा वोट हासिल कर पाए।
पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 1,198 वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी को 1.13 लाख का चंदा मिला था। NCPI के चुनावी पोस्टरों में नारा था- अपने अधिकारों को बचाने के लिए दलबदलुओं को नकारें।

त्रिपुरा चुनाव के बाद गायब हो गई थी पार्टी

न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, NCPI ने 2023 में त्रिपुरा के चावामानु से बरजेडा त्रिपुरा को उम्मीदवार बनाया था। बरजेडा को 536 वोट मिले थे। TMC के बागी सांसदों के साथ विलय की बात सुनकर वे हैरान रह गए। उन्होंने बताया कि वे दिहाड़ी मजदूर हैं। चुनाव के बाद उनका पार्टी से संपर्क खत्म हो गया था। NDTV की रिपोर्ट के अनुसार, त्रिपुरा के कैलाशहर से NCPI उम्मीदवार रहे जहांगीर अली ने बताया कि 2023 चुनाव के दौरान शेउली कुंडू कोलकाता से आई थीं और उम्मीदवारों से संपर्क किया था। चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी ने गतिविधियां बंद कर दीं.

सैटेलाइट तस्वीरों में देश से मानसूनी बादल गायब

- MP-राजस्थान समेत 16 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ा
- 4-15 जून के बीच 64% कम बरसात

नई दिल्ली. भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64% की कमी दर्ज की गई है। मानसूनी गतिविधियां कमजोर होने से 16 राज्यों में बारिश का इंतजार बढ़ गया है। इनमें राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। मानसून दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है। पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रुक गया है।

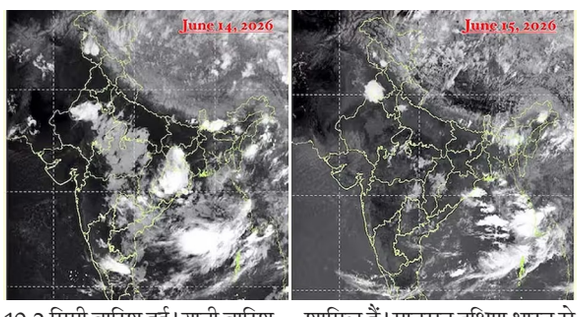

महाराष्ट्र के कई हिस्सों में 17 जून तक हीटवेव

महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में 17 जून तक लू चल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, मराठवाड़ा में 17 जून तक और विदर्भ में 16 जून तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। वहीं, महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र और गोवा में 17 जून तक गर्मी के साथ उमस भरा मौसम रहने का अनुमान है। कोंकण और गोवा के कुछ इलाकों में 16 जून तक रात में भी गर्मी से बनी रहेगी।

- हवाओं के बदले पैटर्न से धीमा पड़ा मानसून

मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इस बार पश्चिमी जेट स्ट्रीम सामान्य से ज्यादा दक्षिण की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून को आगे बढ़ाने वाली हवाएं प्रभावित हो रही हैं।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में पर्याप्त नमी के बावजूद बादल नहीं बन पा रहे हैं। इससे मानसून के आगे बढ़ने पर फिलहाल ब्रेक लग सकती है। हालांकि अगले कुछ दिनों में इसके आगे बढ़ने की संभावना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी है।

शिमला में 8 KM लंबा ट्रैफिक जाम

शिमला. हिमाचल की राजधानी शिमला की सड़कों पर ट्रैफिक रेंग-रेंग कर चल रहा है। संजौली से छराबड़ा के बीच आज सुबह ही लंबा ट्रैफिक जाम लगा हुआ है। इससे लोकल लोगों के साथ-साथ देशभर से पहाड़ों पर घूमने पहुंच रहे टूरिस्ट भी परेशान हैं। हालात यह हैं कि 10 मिनट के सफर में डेढ़ से दो घंटे का वक्त लग रहा है। इससे लोगों में सरकार और पुलिस के खिलाफ रोष पनप रहा है। पर्यटन सीजन में पुलिस के इंतजाम पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिमला की ढली सब्जी मंडी के पास सुबह 5:30 बजे से ही ट्रैफिक जाम लगना शुरू हो गया था, दोपहर 12 बजे तक लगभग 8 से 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

बंगाल पुलिस ने जहांगीर खान को दोबारा परेड कराई

- 4 घंटे सड़क पर नंगे पैर चलाया
- TMC नेता ने कान पकड़े और हाथ जोड़े

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के फालता में पुलिस ने TMC नेता जहांगीर खान की फिर हाफ पैंट में सड़क पर परेड कराई। इस दौरान जहांगीर ने कान पकड़कर और हाथ जोड़कर लोगों से माफी मांगते दिखे। पुलिस ने चार घंटे नंगे पैर सड़क पर घुमाया। इससे पहले 11 जून को भी फालता में ही जहांगीर की हाफ पैंट में परेड कराई गई थी। जांच के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर आई है। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। जहांगीर पर अवैध वसूली और महिलाओं को गैंगरेप की धमकी देने का आरोप है।

जहांगीर का फालता में दबदबा था, 'पुष्पा' स्टाइल छवि बनाई थी

जहांगीर का फालता में दबदबा था। जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। 24 मई को आए नतीजे में जहांगीर की हार हुई। इसके बाद से जहांगीर लगभग गायब ही रहे। उन्हें न तो घर पर देखा गया और न ही पार्टी कार्यालय में। मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी के खिलाफ अग्रिम जमानत मांगी थी। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

धमाके से दहला पाक, झांगी पुलिस चौकी पर आतंकी हमला

खैबर पख्तूनख्वा-पंजाब सीमा के पास स्थित झांगी पुलिस चौकी पर सोमवार को आतंकी हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि विस्फोटकों से लदा एक संदिग्ध वाहन चौकी से टकराया और भीषण धमाका हुआ। इस हमले में 5 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य घायल हैं। पुलिस के प्रारंभिक बयान में कहा गया है कि वाहन लकड़ी से लदा था, जिसमें विस्फोटक छिपाए गए थे। टक्कर के साथ विस्फोट इतना जबरदस्त था कि चौकी की बाहरी दीवार का एक हिस्सा ढह गया और वाहन मलबे में दब गया। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह आत्मघाती हमला था या वाहन को रिमोट कंट्रोल से उड़ाया गया। फिलहाल राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म करने पर राजी

- 19 जून को दस्तखत
- होर्मुज फिर खुलेगा
- ट्रम्प बोले- दुनिया के जहाजो इंजन चालू करो, तेल को बहने दो

वाशिंगटन. अमेरिका और ईरान जंग खत्म करने के लिए शांति समझौते पर राजी हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के साथ समझौता हो गया है। ईरान ने कहा कि अमेरिका के साथ कई महीनों की लंबी और मुश्किल बातचीत के बाद दोनों देशों ने शांति समझौते के मसौदे पर सहमति बना ली है और MoU को अंतिम रूप दे दिया गया है।

ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी तुरंत हटाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने लिखा, 'दुनिया के जहाजो, अपने इंजन चालू कर लो। तेल को बहने दो।'

इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि दोनों देश 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल की बैठक होगी।

बारूदी सुरंगें हटाने में कई हफ्ते लग सकते हैं

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट को बारूदी सुरंगें हटाने के लिए खोल दिया जाएगा। इस बीच अमेरिकी नौसेना के पूर्व रियर एडमिरल मार्क मोंटगोमरी ने BBC से कहा कि स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित बनाने में कई हफ्तों से लेकर कई महीने तक लग सकते हैं।
- मोंटगोमरी के मुताबिक, जहाजों की आवाजाही शुरू होने के बाद तेल बाजार को पूरी राहत मिलने में करीब दो महीने लग सकते हैं। हालांकि शुरुआती असर और कुछ राहत एक हफ्ते के भीतर दिखाई दे सकती है।

- ईरान ने दस्तखत करने से पहले 3 शर्तें रखीं

ईरान-अमेरिका के बीच हुए समझौते का पूरा दस्तावेज अभी जारी नहीं किया गया है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि MoU पर हस्ताक्षर होने के बाद शुरू होने वाली 60 दिन की अमेरिका-ईरान की बातचीत इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिका पहले अपने तीन वादे पूरे करता है या नहीं।

गरीबाबादी के मुताबिक अमेरिका को तीन कदम उठाने होंगे- **1. नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करना, 2. युद्ध और सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकना, 3. ईरान के फ्रीज्ड फंड जारी करना।**

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में उमड़ा आस्था का महासैलाब

हरिद्वार. पुरुषोत्तम मास में सोमवती अमावस्या और संक्रांति के दुर्लभ संयोग पर सोमवार को धर्मनगरी हरिद्वार आस्था के महासागर में तब्दील हो गई। तड़के से ही हरकी पैड़ी समेत सभी प्रमुख गंगा घाटों पर रिकॉर्डतोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी, जिससे शहर की यातायात और प्रशासनिक व्यवस्थाएं दिनभर दबाव में रहीं। सोमवती अमावस्या, संक्रांति और पुरुषोत्तम मास के समापन के शुभ संयोग ने हरिद्वार में वर्षों बाद अभूतपूर्व श्रद्धालु सैलाब ला दिया। वीकेंड और विशेष स्नान पर्व के संयोग ने इस बार यात्रा सीजन की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ दर्ज कराई। इससे पहले आठ अप्रैल 2024 को सोमवती अमावस्या पर करीब 45 लाख श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे थे, जबकि वर्ष 2025 में सोमवती अमावस्या नहीं पड़ी थी।

सोमवार सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही हरकी पैड़ी, प्रेमनगर आश्रम घाट, अमरापुर घाट, बिरला घाट सहित सभी प्रमुख गंगा घाटों पर स्नान के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। पूरे दिन गंगा तट 'हर-हर गंगे' और 'जय मां गंगे' के जयघोष से गूंजते रहे। वीकेंड और विशेष स्नान पर्व के एक साथ पड़ने से यात्रा सीजन की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ देखने को मिली। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से लाखों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। धार्मिक मान्यता के अनुसार सोमवती अमावस्या पर गंगा स्नान और दान-पुण्य का विशेष महत्व होने के कारण श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा।

अभिषेक बनर्जी से ED की पूछताछ जारी

- कैश फॉर जॉब स्कैम में रिश्वत लेने का आरोप
- फर्जी साइन मामले में CID ने कल पूछताछ की थी

कोलकाता. टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी कोलकाता में ईडी ऑफिस पहुंच गए हैं। ईडी अभिषेक से कैश-फॉर-स्कूल-जॉब स्कैम में पूछताछ की जा रही है। उन्हें 3 जून को नोटिस जारी कर 15 जून की दोपहर 12 बजे तक एजेंसी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था।

इस मामले में सीबीआई और ईडी दोनों की चार्जशीट में अभिषेक का नाम है। इससे पहले रविवार को विधायकों के फर्जी साइन मामले में CID ने अभिषेक से 8 घंटे पूछताछ की थी। इस मामले में अभिषेक को फिर से 16 जून को CID के सामने पेश होना है।

अभिषेक बनर्जी के घर रात 3 बजे पुलिस की रेड

अभिषेक के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने 13 जून देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम सेंट्रल फोर्स के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला। छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थोड़ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं।

भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया

- दीप्ति ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए
- स्मृति मंधाना ने 68 रन बनाए

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 64 रन से हरा दिया। एजबेस्टन में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए।

भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 44 गेंदों में 68 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 17 बॉल पर 34 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल और फातिमा सना ने 2-2 विकेट लिए। तस्मिया रुबाब और रामीन शमीम को 1-1 सफलता मिली।

171 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान 17 ओवर में 106 रन पर ऑलआउट हो गई। मुनीबा अली ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। भारत से दीप्ति शर्मा ने 10 रन देकर 5 विकेट लिए। श्री चरणी को 3 और शेफाली वर्मा को एक विकेट मिला।

मंधाना की फिफ्टी, ऋचा ने दिया फिनिशिंग टच

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स 18 रन के अंदर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े।

मंधाना ने 68 रन की पारी में 9 चौके और 2 छक्के लगाए। हरमनप्रीत ने 36 रन की पारी खेली। आखिरी दो ओवरों में भारत ने 38 रन बनाए। ऋचा घोष ने 200 की स्ट्राइक रेट से 17 गेंदों पर 34 रन बनाए।

दीप्ति के 5 विकेट

दीप्ति शर्मा ने पहले गुल फिरोजा और आयशा जफर को आउट कर भारत की वापसी कराई। उन्होंने एक ओवर में 3 विकेट लेकर पाकिस्तान को ऑलआउट कर दिया। मुनीबा के रनआउट होते ही पाकिस्तान की पारी बिखर गई। कप्तान फातिमा सना खाता भी नहीं खोल सकीं। आलिया रियाज 18 रन बनाकर आउट हुईं। आखिरी पांच विकेट सिर्फ 17 रन के भीतर गिर गए और पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई।

होम गार्ड पत्नी की चाकू मारकर हत्या

बेंगलुरु. वापस आ जाओ, वरना मार डालूंगा... इस खौफनाक धमकी को अमली जामा पहनाते हुए महादेवपुरा के एक व्यक्ति ने अपनी होम गार्ड पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। रविवार शाम हुई इस दिल दहला देने वाली घटना ने सनसनी फैला दी है। पुलिस के अनुसार, महादेवपुरा थाने में होम गार्ड के रूप में तैनात 32 वर्षीय मंजुला अपने मां के साथ थाना क्षेत्र के एक किराए के मकान में रह रही थीं। उनके पति प्रदीप जैकेट में चाकू छुपाकर घर पहुंचा। पहले उसने माफी मांगी, पैरों में गिरकर वापस लौटने की विनती की, लेकिन कुछ ही देर बाद वह हिंसक हो गया और अपनी पत्नी पर 20 से अधिक बार चाकू से वार कर दिए। जिससे मौके पर ही मंजुला की मौत हो गई।

3 साल की बच्ची से रेप, मौत

- बिहार का आरोपी गिरफ्तार
- बिस्किट देने के बहाने ले गया ता आरोपी, परिजन का हंगामा

तिरुवल्लूर. तमिलनाडु के तिरुवल्लूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बच्ची रविवार से लापता थी। सोमवार को वह झाड़ियों में गंभीर हालत में मिली। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 19 साल के विबिन मंच के तौर पर हुई है, जो तिरुवल्लूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है।

स्थायीन लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा।

जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पता चला कि उसके साथ रेप हुआ था। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी।

घटना के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान कई राहगीरों के साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महंगा होगा कैंसर का इलाज

- दवाएं नहीं मिल रहीं
- जंग के कारण शॉर्टेज, देशभर में कमी
- फेफड़ों, मुंह, सर्वाइकल और यूटेरस कैंसर के इलाज में जरूरी

नई दिल्ली. पेट्रोल-डीजल और क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों से जुड़ी खबरें इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं, लेकिन अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर अब सिर्फ तेल बाजार तक सीमित नहीं रहा। इसने भारत में कैंसर के इलाज को भी मुश्किल बना दिया है।

स्थिति ऐसी है कि कैंसर के 7 प्रमुख प्रकारों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली जरूरी दवाओं की कमी से हर 100 में से करीब 70 मरीज प्रभावित हो सकते हैं।

दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के चेयरपर्सन डॉ. श्याम अग्रवाल के अनुसार, पूरे देश में कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दो बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी दवाओं सिस्प्लैटिन (Cisplatin) और कार्बोप्लैटिन (Carboplatin) की पिछले दो से तीन सप्ताह से भारी कमी बनी हुई है।

ये दोनों दवाएं कैंसर के इलाज की फर्स्ट लाइन थेरेपी का हिस्सा हैं और फेफड़ों के कैंसर, मुंह के कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय कैंसर, ओवरी कैंसर, टेस्टिकुलर कैंसर समेत कई अन्य कैंसर के उपचार में व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं।

संक्षेप...

कोडीनयुक्त सिरप जब्त, 4 गिरफ्तार

मुंबई. मालाड पश्चिम क्षेत्र में पुलिस ने नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कोडीन फॉस्फेट युक्त सिरप की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से कुल 4,734 बोतलें बरामद की गई हैं, जिनकी कीमत 52 लाख 7 हजार 400 रुपये बताई गई है. मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है. सुमननगर रेजिडेंसी, गजानंद गुप्ता जल टंकी केंद्र के पास, एस.वी. रोड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने चार लोगों को कोडीन फॉस्फेट युक्त सिरप की 153 बोतलों के साथ पकड़ लिया.

मैं मनपा स्कूल का विद्यार्थी था -डिप्टी सीएम शिंदे

■ एकनाथ शिंदे ने स्कूल के शुरुआती में पुरानी यादें ताज़ा कीं

ठाणे. मनपा स्कूल नंबर 23 में शुरुआती के पहले दिन विद्यार्थियों से बात करते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने उनसे बड़े सपने देखने और पक्का इरादा, लगन और कड़ी मेहनत से सफलता पाने के लिए आवाहन किया।साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि वह भी उसी मनपा स्कूल के विद्यार्थी हैं और विद्यार्थियों को उनके अच्छे भविष्य के लिए प्रेरणा दी।गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल के पहले दिन हुए प्रोग्राम में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त1 संदीप मालवी,नगरसेवक राम रेपाले, संध्या मोरे, प्रिंसिपल दीपक मोरालकर, टीचर्स, पेरेंट्स और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

इस मौके पर बोलते हुए शिंदे ने कहा कि स्कूल विद्यार्थी के सुनहरे भविष्य का रास्ता है। पहले दिन का जोश बनाए रखते हुए विद्यार्थी को हंसी-खुशी पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पढ़ाई सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक अच्छा नागरिक बनाने का अवसर है।टीचर्स की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता जन्म देते हैं; लेकिन टीचर्स विद्यार्थियों को बनाने और उनमें संस्कार डालने का काम करते हैं। इसलिए समाज में टीचर्स की जगह सबसे अलग है। इस मौके पर उन्होंने अपनी स्कूल लाइफ को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं इस स्कूल नंबर 23 का विद्यार्थी था। उस समय स्कूल के हालात अलग थे। आज के विद्यार्थियों को मॉडर्न बिल्डिंग, अच्छी फैसिलिटी और अच्छा माहौल मिल रहा है। लेकिन हालात से ज़्यादा ज़रूरी पक्का इरादा और मेहनत है। उन्होंने अपने टीचर्स की यादें भी शेयर कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के 'मुख्यमंत्री माझी शाला सुंदर शाला' कैंपेन से राज्य के स्कूलों में बड़े बदलाव आए हैं और सरकार स्टूडेंट्स को अच्छी शिक्षा और ज़रूरी सुविधाएँ देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्कूल न्यूट्रिशन जैसी कई स्कीमों के ज़रिए विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बोझ कम करने की कोशिश कर रही है।उन्होंने टीचर्स से अपील की कि वे पहली से आखिरी बेंच तक सभी विद्यार्थियों पर बराबर ध्यान दें, उनमें सीखने की चाहत जगाएँ और आसान भाषा में पढ़ाएँ।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी, 'सवाल पूछने वाला विद्यार्थी ही असली इंटेलिजेंट होता है। इसलिए, अगर आपको कुछ समझ में न आए, तो बेझिझक टीचर से पूछें।लगातार कोशिश, लगन और कड़ी मेहनत को सफलता की चाबी बताते हुए, उन्होंने विद्यार्थियों को अलग-अलग फील्ड में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

अंबरनाथ नगर परिषद स्कूलों में गणवेश, किताबें वितरित

■ प्रवेशोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद संचालित सभी स्कूलों में सोमवार को स्कूल के पहले दिन प्रवेशोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया. विद्यार्थियों का स्वागत, शैक्षणिक साहित्य का वितरण और विविध उपक्रमों के कारण स्कूल के विद्यार्थियों एवं परिसर में आनंद का वातावरण देखा गया. अंबरनाथ की नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल, मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़, उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल, शिक्षण विभाग के अधिकारी, नगरसेवक, नगरसेविका, शिक्षण, विद्यार्थी एवं पालक उपस्थित थे.

मान्यवरों के हाथों विद्यार्थियों का स्वागत किया गया. शैक्षणिक वर्ष के पहले दिन सोमवार को मुफ्त में गणवेश, कापियां, किताबें, पेंसिल बाक्स वितरित किए गए. विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक साहित्य वितरण के बाद नए शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत की गई. पालकों ने समाधान व्यक्त किया. मान्यवरों ने विद्यार्थियों से संवाद साधते हुए नियमित शिक्षण का महत्व बताया. विद्यार्थियों के चेहर पर उत्साह और आनंद यही प्रवेशोत्सव की खास बात रही. कुछ विद्यार्थियों ने अपना गणवेश, कापियां, किताबें खोलकर उसको पढ़ना भी शुरू कर दिया था. उनकी ये खुशियां देखने लायक थी.

भिवंडी तालुका के 248 जिप स्कूलों में उत्साह के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव

भिवंडी. 15 जून स्कूल एडमिशन का पहला दिन है, यानी एकेडमिक साल की शुरुआत। यह पहली बार स्कूल जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए जश्न का दिन है। सरकारी मराठी स्कूलों में पहले साल के स्टूडेंट्स की संख्या में बढ़ोतरी करने और स्कूल स्टूडेंट्स की अटेंडेंस और स्कूल की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए, सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. ठाणे ज़िले का मुख्य प्रोग्राम भिवंडी तालुका के दो ज़िला परिषद स्कूलों, हाईवे दिवे और दापोड़े में आयोजित किए गए.

हाईवे दिवे ज़िला परिषद स्कूल में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की मौजूदगी में विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। ज़िला परिषद स्कूल दापोड़े में, ठाणे ज़िला परिषद के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर रंजीत यादव की मौजूदगी में स्कूल प्रवेशोत्सव मनाया गया. इस समय, विद्यार्थियों के स्कूल में पहले कदम के साथ ही, विद्यार्थियों को यूनिफ़ॉर्म और शैक्षणिक सामग्री बांटी गई. इन स्कूलों में बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर छोटे विद्यार्थियों ने अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाकर खूब मजे किए।

इस मौके पर जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन कुंदन पाटिल, लोकल ग्राम पंचायत के सरपंच मेंबर, गांव के पेरेंट्स और जिला परिषद के टीचर बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जिला परिषद के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव ने कहा कि हम सभी को मिलकर अधिकारियों, पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव्स, गांववालों और पेरेंट्स की मिली-जुली भागीदारी से जिला परिषद के स्कूलों को और भी काबिल, अच्छी क्वालिटी वाला और स्टूडेंट-सेंटर्ड बनाने की कोशिश करनी होगी।

1 लाख का मोबाईल बाइक सवार ने छीना

ठाणे. शिकायतकर्ता सुधीर भास्कर शिर्के (38), जो ठाणे में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर मैनेजर के तौर पर काम करते हैं, रविवार रात 11 बजे घर के लिए निकल रहे थे, तभी साकेत ब्रिज लैंडिंग पर एक बाइक सवार आया और शिकायतकर्ता का 1 लाख रुपये कीमत का सैमसंग गैलेक्सी Z-7 फोन छीन लिया। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता सुधीर भास्कर शिर्के (38) A Wig 705 अशर एज वसंत विहार, अनइनकॉरपोरेटेड लोकपुरम, ठाणे में रहते हैं. रविवार रात 11 बजे साकेत ब्रिज लैंडिंग पर एक टू-व्हीलर सवार आदमी रिक्शा के पास आया, तो उसने शिकायतकर्ता से मोबाइल फोन छीन लिया और उसकी पिटाई की। पुलिस ने दो अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अशोक खरात केस में उज्ज्वल निकम की एंट्री

■ फडणवीस सरकार का बड़ा कदम

■ भोंदूबाबा के आगे की राह मुश्किल

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र की आड़ में महिलाओं के कथित यौन शोषण के आरोपी भोंदूबाबा अशोक खरात केस में देश के दिग्गज कानूनविद और वरिष्ठ सरकारी वकील उज्ज्वल निकम को विशेष सरकारी वकील (स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) नियुक्त किया है। राज्य सरकार के विधि व न्याय विभाग द्वारा जारी इस अधिसूचना के बाद से आरोपी अशोक खरात के लिए कानूनी राह बेहद मुश्किल मानी जा रही है।

अदालत में सरकार का पक्ष पूरी आक्रामकता और मजबूती से रखने के लिए वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम के साथ अहिल्यानगर के अनुभवी क्रिमिनल लॉयर ऐड. परिमल फले को सहायक विशेष सरकारी वकील नियुक्त किया गया है। यह जोड़ी पहले भी कई हाई-प्रोफाइल मामलों में एक साथ काम कर चुकी है।

खुद को अंकशास्त्रज्ञ और सिद्धपुरुष बताने वाले अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बलात्कार, यौन शोषण, धोखाधड़ी और 'महाराष्ट्र नरबलि एवं जादूटोणा प्रतिबंधक कानून' के तहत करीब 12 मामले दर्ज किए हैं।

नेताओं और अधिकारियों में खलबली

राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि खरात के संबंध कई बड़े नेताओं और क्लास वन अधिकारियों से थे। निकम की एंट्री के बाद इस बात की भी निष्पक्ष जांच होने की उम्मीद है कि क्या खरात को कोई राजनीतिक संरक्षण हासिल था। वर्तमान में आरोपी अशोक खरात पुलिस और न्यायिक हिरासत में है, और SIT हर केस में कड़ाई से पूछताछ आगे बढ़ा रही है।

SIT और ED की समानांतर जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच विशेष जांच दल (SIT) कर रही है। इसके अतिरिक्त, खरात की लगभग 40.87 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब संपत्ति और फार्महाउसों की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ED) भी शामिल हो गया है।

चौंकाने वाले डिजिटल सबूत

जांच के दौरान पुलिस को खरात के ठिकानों और फार्महाउस से महिलाओं के कथित शोषण से जुड़े 100 से अधिक अश्लील वीडियो और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जो अदालत में सरकारी पक्ष के लिए बड़े हथियार साबित होंगे।

कलवा-ऐरोली रेल लाइन का काम शुरू

नवी मुंबई. कल्याण-कसारा दिशा में रहने वाले कई लोग रोज़ाना नवी मुंबई आते-जाते हैं. उन्हें ठाणे से पनवेल या वाशी ट्रांस-हार्बर रूट पर सफर करना पड़ता है. इस रूट पर भारी भीड़ की वजह से लोग रोजाना घबराते रहते हैं. शाम को ठाणे रेलवे स्टेशन से कल्याण की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन पकड़ना सच में बहुत मुश्किल होता है. लेकिन अब इन यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, 10 साल से रुका हुआ कलवा-ऐरोली रेल कॉरिडोर का काम आखिरकार शुरू हो गया है.

■ अतिक्रमण हटाने का काम शुरू

सेंट्रल रेलवे ने कलवा से ऐरोली तक आठ किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का काम शुरू कर दिया है. इससे नवी मुंबई और कल्याण के बीच सीधा कनेक्शन बन जाएगा. इस नए सबअर्बन रेलवे कॉरिडोर से ट्रांस-हार्बर के लोकल लोग ठाणे स्टेशन के बजाय सीधे यात्रा कर सकेंगे. इससे ठाणे रेलवे स्टेशन पर लोड कम होगा और भीड़ भी कम होगी. इस काम के लिए रेलवे लाइन पर अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया गया है. पहले फेज में सेंट्रल रेलवे ने 150 झोपड़ियां हटाने का काम किया है.

■ कलवा से ऐरोली रूट कैसा होगा?

कलवा से ऐरोली रेलवे लाइन के काम को दो बड़े फेज़ में बांटा गया है. पहले फेज में दिघे गांव स्टेशन का कंस्ट्रक्शन पूरा हो गया है. दूसरे फेज में रूट का काम शुरू किया जाएगा. इस आठ किलोमीटर लंबे रूट में से 3.3 किलोमीटर रूट एलिवेटेड रेल लिंक होगा. वाशी और बेलापुर से आने वाली लोकल ट्रेनें सीधे कल्याण की तरफ जा सकेंगी. इस रूट पर दीघा रेलवे स्टेशन का काम पूरा हो गया है और इस स्टेशन पर ट्रैवल भी शुरू हो गया है.

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- **सीधी कनेक्टिविटी :** यह रेल लाइन कल्याण और नवी मुंबई (वाशी-बेलापुर) के बीच सीधा संपर्क स्थापित करेगी।
- **दूरी और ट्रैक :** कुल 8 किलोमीटर के कॉरिडोर में से 3.3 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह एलिवेटेड (उन्नत) होगा। यह आधुनिक 'बैलास्टलेस ट्रैक' (बिना गिट्टी वाले ट्रैक) पर आधारित होगा।
- **ठाणे स्टेशन का बोझ कम :** वर्तमान में यात्रियों को कल्याण से नवी मुंबई जाने के लिए ठाणे स्टेशन पर लोकल ट्रेन बदलनी पड़ती है। इस सीधे लिंक के बाद ट्रांस-हार्बर ट्रेनें ठाणे स्टेशन को बाईपास कर सकेंगी, जिससे ठाणे स्टेशन पर भीड़ काफी कम हो जाएगी।
- **नया कलवा स्टेशन :** इस परियोजना के तहत एक नए एलिवेटेड कलवा स्टेशन का निर्माण भी किया जाएगा, जिसमें नए प्लेटफॉर्म, बुकिंग ऑफिस और फुट ओवर ब्रिज शामिल होंगे।

डोंबिवली में क्रिकेट विवाद को लेकर शिवसेना शिंदे गुट में ही जमकर बवाल

शाखा प्रमुख बनाम उपजिला प्रमुख आमने-सामने!

■ मानपाड़ा पुलिस थाने में एक-दूसरे के खिलाफ मामले दर्ज

■ पुलिस जांच जारी

कल्याण. डोंबिवली पूर्व के संदप गांव में क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद ने शिवसेना शिंदे गुट के अंदरूनी संघर्ष को उजागर कर दिया है। 12 जून की शाम गांव के आंगनवाड़ी स्कूल के सामने स्थित मैदान में क्रिकेट खेलने को लेकर शाखा प्रमुख विनोद पाटील और युवा सेना के उपजिल्हा प्रमुख प्रथमेश पाटील के बीच विवाद हुआ। शाखा प्रमुख विनोद पाटील के आरोप के अनुसार, मैदान पर हुआ विवाद शांत होने के बाद जब वे कार से घर जा रहे थे, तब प्रथमेश पाटील और उनके समर्थकों ने उनकी कार रोककर फाइटर और अन्य हथियारों से उन पर हमला किया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने मांग की है कि पुलिस इस मामले में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करे।

वहीं, उपजिल्हा प्रमुख प्रथमेश पाटील ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका आरोप है कि विनोद पाटील बाहरी टीम लेकर आए थे और स्थानीय युवकों पर दबाव बना रहे थे। प्रथमेश पाटील का दावा है कि जब वे अपने घर के बाहर बैठे थे, तब विनोद पाटील ने उन पर कार चढ़ाने की कोशिश की और क्रिकेट बैट से मारपीट की। इस मामले में मानपाड़ा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। एक मामले में प्रथमेश पाटील सहित सात लोगों के खिलाफ, जबकि दूसरे मामले में विनोद पाटील सहित तीन लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। क्रिकेट मैदान पर शुरू हुआ मामूली विवाद राजनीतिक पदाधिकारियों की मारपीट तक पहुंच जाने से डोंबिवली के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। मानपाड़ा पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

एक्ट्रेस संचिता उगले ने सुसाइड किया

■ साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई

■ पंखे से लटकी मिली बॉडी

टीवी एक्ट्रेस संचिता उगले ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई।

एक पुलिस अफसर ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।'

संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। वे टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' और 'वागले की दुनिया' में नजर आई थीं। पुलिस ने उनका शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

■ मौत से कुछ घंटों पहले वीडियो पोस्ट किया

संचिता के निधन से ठीक कुछ घंटों पहले ही उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक रील पोस्ट की गई थी। वीडियो में एक्ट्रेस 'डफली वाले, डफली बजा' गाने पर लिपसिंक करती दिखी थीं। इस वीडियो के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा था, 'मैं नाचूं, तू नचा।'

कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस के फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव थीं और लगातार पोस्ट करती रहती थीं। उनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख 39 हजार फॉलोअर्स हैं।

■ कई टीवी शोज और फिल्मों का हिस्सा रहीं

संचिता उगले ने कई टीवी शो और फिल्मों में काम किया। वे लोकप्रिय टीवी शो 'कुमकुम भाग्य', 'वागले की दुनिया' जैसे कई शो का हिस्सा रह चुकी थीं। आखिरी बार वे दंगल टीवी चैनल के शो 'साजन घर में' नजर आई थीं। वे पॉपुलर शो 'दिलवाली दुल्हा ले जाएगी' में सौरभ बेदी के साथ लीड रोल में नजर आ चुकी हैं।

संचिता ने फिल्म 'छावा' में भी काम किया था। इसमें वे ताराबाई के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म मुख्य भूमिकाओं में विक्की कौशल और अक्षय खन्ना नजर आए थे।

इसके अलावा संचिता ने मनोज बाजपेई के साथ 'साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट' में भी काम किया था।

परिवहन मंत्री ने ठाणे मनपा के लोकमान्य नगर में स्कूल नंबर 46 का दौरा किया

मनपा स्कूलों में घटती संख्या चिंता की बात

■ क्वालिटी एजुकेशन पर फोकस करें - प्रताप सरनाईक

ठाणे. पूरे राज्य में बड़े जोश के साथ मनाए जा रहे 'स्कूल एंट्रेंस फेस्टिवल' के मौके पर, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आज ठाणे मनपा के लोकमान्य नगर में स्कूल नंबर 46 का दौरा किया और नए स्टूडेंट्स का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने स्टूडेंट्स को शुभकामनाएं दीं और टीचर्स, पेरेंट्स और एजुकेशन डिपार्टमेंट के अधिकारियों से बातचीत की।इस मौके पर बोलते हुए,परिवहन मंत्री ने कहा कि मनपा स्कूलों में घट रही संख्या चिंता की बात है और इस स्थिति को गंभीरता से देखने की ज़रूरत है। सरकार स्टूडेंट्स को फ्री एजुकेशन, टेक्स्टबुक्स, यूनिफॉर्म, अलग-अलग एजुकेशनल फैसिलिटीज़ और इनोवेटिव एक्टिविटीज़ दे रही है। हालांकि, सिर्फ फैसिलिटीज़ ही काफी नहीं हैं, क्वालिटी एजुकेशन ही पेरेंट्स का भरोसा जीतने का सबसे असरदार तरीका है।

उन्होंने अपील की, 'टीचर्स को मनपा स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स का एकेडमिक स्टैंडर्ड बेहतर करने के लिए और ज़्यादा लगन से काम करना चाहिए। स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट के लिए मॉडर्न टीचिंग मेथड, टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल और पर्सनल गाइडेंस पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। साथ ही, पेरेंट्स को भी अपने बच्चों की पढ़ाई में एक्टिवली हिस्सा लेना चाहिए और स्कूल से लगातार कॉन्टैक्ट बनाए रखना चाहिए।सरनाईक ने आगे कहा कि स्कूल एंट्रेंस सेरेमनी सिर्फ़ एक फॉर्मल इवेंट नहीं है, बल्कि स्टूडेंट्स की ज़िंदगी में एक नए सफ़र की खुशी भरी शुरुआत है। स्कूल के पहले दिन को त्योहार की तरह मनाने से स्टूडेंट्स में पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी पैदा होती है और स्कूल के साथ उनका रिश्ता मज़बूत होता है।

इस मौके पर नए स्टूडेंट्स का फूलों से स्वागत किया गया। स्टूडेंट्स को एजुकेशनल मटीरियल भी बांटा गया। टीचर्स, पेरेंट्स, एजुकेशन डिपार्टमेंट के अधिकारी और लोकल लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।राज्य सरकार के 'एजुकेशन-रिच महाराष्ट्र' के कॉन्सेप्ट को पूरा करने के लिए हर बच्चे को एजुकेशन की मेनस्ट्रीम में आना चाहिए।परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि इसके लिए टीचर्स, पेरेंट्स, एडमिनिस्ट्रेशन और समाज को मिलकर कोशिश करने की ज़रूरत है।

भिवंडी में स्कूल के पहले दिन अक्षयपात्र ने

20,495 विद्यार्थियों को मिड-डे मील बांटा

भिवंडी. भिवंडी में अक्षयपात्र किचन, जो भिवंडी म्युनिसिपल स्कूलों में स्टूडेंट्स को मिड-डे मील बांटने के लिए ज़िम्मेदार है, ने बताया है कि स्कूल के पहले दिन भिवंडी म्युनिसिपल के 104 स्कूलों के 20,495 स्टूडेंट्स को मिड-डे मील बांटा गया. म्युनिसिपल के स्कूल नंबर 14 में कॉर्पोरेटर परेश चौघुले की देखरेख में स्टूडेंट्स को मिड-डे मील बांटा गया. इस समय, अक्षयपात्र के मित चौघुले, नारायण परायण दास, दत्तात्रय गाडे, अक्षयपात्र की मैनेजर पूनम निंबालकर मौजूद थे.

अक्षयपात्र किचन के ज़रिए स्टूडेंट्स को हेल्दी, न्यूट्रिशियस और स्टरलाइज़्ड खाना देने की कोशिश की जा रही है और भिवंडी शहर में अक्षयपात्र किचन के ज़रिए स्टूडेंट्स को न्यूट्रिशियस खाना देने की कोशिश की जा रही है, ऐसा संस्था की मैनेजर पूनम निंबालकर ने कहा.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099